नाम – सोनाली
मो0नं0 – 8874068355

सतत विकास के लक्ष्यों की पूर्ति में युवाओं की भूमिका

सतत विकास के लक्ष्यों का अर्थ होता है कि जीवन की पूर्ति के लिए वर्तमान कि युवाओं को भविष्य की परिस्थितियों को आर्थिक स्थिति में सुधार।

इसका प्रारंभ 2015 के शिखर सम्मेलन ने 1 जनवरी 2016 को शुरू हुआ है और इसकी अंतिम तिथि 2030 है।

सतत विकास के 17 लक्ष्य हैं

शिक्षा , गरीबी, स्वास्थ्य और खुशहाली, लैंगिक समानता, ऊर्जा, जमीदारी, बेरोजगारी, कार्य और उत्कृष्ट समानता, न्याय, आर्थिक, पर्यावरणीय सामाजिक व्यवस्था, परंपराओं का अधिकार,

सतत विकास के लक्ष्यों को 17 वैश्विक लक्ष्य है जिनको युवाओं को भविष्य के जीवन में भविष्य का खाका डिजाइन किया गया है।

सतत विकास के लक्ष्यों में तीन लक्ष्य नहीं है

1. **लैंगिक समानता**
2. **ओजोन परत**
3. **जल के नीचे जीवन**

2030 तक हमें महिला पुरुष आदि अधिक अनुपात में आर्थिक सामाजिक परिस्थितियों को बढ़ा सकें और उनके कार्य का उन्मूलन कर सकें 2030 तक जो सतत विकास के लक्ष्यों को समझ गए हैं वह समाज में विकास और कौशल बढ़ा सकें।

गांधी जी द्वारा बताए गए सुझाव से हम हमें विकास को बढ़ा सकते हैं उन्होंने कहा था कि यदि हम साथ–साथ अपने युवा पीढ़ी को लेकर चलते हैं तथा उनके जातीय समानता यह समानता को ना देखें तो हम अपने जीवन के भविष्य में बढ़ सकते हैं गांधी जी के 1957 में 150वीं जयंती तक यह प्रेरणा स्वीकार हो।

2030 तक का जो एजेंडा तैयार किया गया है वह सड़क विकास लक्ष्य को जड़ से पूरा करने के लिए किया गया है।

सतत विकास के लक्ष्यों की मुख्य उद्देश्य है सशक्तिकरण जिसमें सामाजिक पर्यावरणीय और आर्थिक को बढ़ावा देना। यह जीवन की अवहेलना करता है निरंकुशता प्रकट करता है।

सतत विकास में 17 मुख्य लक्ष्य है जो निर्धारित किए गए हैं उन लक्ष्यों को वर्ष 2030 तक एक खाका तैयार करने का मुख्य उद्देश्य बनाया गया है समाज में युवाओं का अधिकार एक बड़ी समस्या है जिसमें हम अपने युवा वर्ग की पीढ़ी को अपने विकास और कौशल को बढ़ा सके युवाओं को अपने कार्य के प्रति कार्यान्वित उन्मूलन की प्रक्रिया को बढ़ाएं रहना चाहिए जिसमें वे अपने ग्रामीण क्षेत्रों में भी विकास कर सके और वे अपने समाज के प्रति जागरूकता फैला सकें।

सतत विकास का लक्ष्य 193 देशों ने मिलकर अनुमोदित किया था

हम विकास करेंगे

जब युवा के नेतृत्व में होगी

विकास की सोच

इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए बहुत से कार्यक्रम किए जा रहे हैं जो 2030 तक तैयार करने की प्रण है